

## बिहार चुनाव और युवाओं का महत्त्व

By : INVC Team Published On : 26 Sep, 2015 12:19 AM IST



- रजनीश कुमार -

जिस युवा शक्ति को कांग्रेस नज़र-अंदाज़ करती रही , उसी युवा शक्ति को अपनी मुख्य शक्ति बना कर , २००१४ के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के साथ साथ लगभग सभी राजनितिक पार्टियों को हाशिय पर ला दिया ! भारत आज युवा देश है और इस युवा देश की इस युवा शक्ति कोई भी नज़रंदाज़ करके देश ,राज्य तो क्या गाँव आम सा दिखने वाला का चुनाव भी नहीं जीत सकता !

बिहार चुनाव अपने परवान पर है। सारे दल वोटरों को रिझाने में लगे हैं। कोई जाति के आधार पर रिझा रहा है तो कोई मजहब के आधार पर। किसी दल के पास निरन्तर विकास की अवधारणा है तो कोई पिछले शासन काल का हौवा दिखा रहा है। इन सबों के बीच बिहार के राजनीति का अहम् हिस्सा छूटता सा जा रहा है। वर्तमान चुनाव बिहार में युवाओं की महत्त्व का चर्चा बिहार के क्षेत्रिय दलों में नहीं के बराबर है जबकि इस चुनाव को प्रभावित करने में सबसे अधिक भूमिका किसीकी होगी तो वह “युवाओं” की होगी। युवा वर्ग बिहार विधानसभा चुनाव के दशा और दिशा को तय करेगा।

वर्तमान परिदृश्य में बिहार में युवा मतदाता पर गौर करें तो वह करीब 60% है। इन मतदाताओं में नए मतदाता के तौर पर करीब 3%, 20-29 वर्ष के 29% मतदाता और 30-39 आयु वर्ग के 28% मतदाता हैं। इतनी बड़ी संख्या में युवा मतदाता के होते हुए भी राजनैतिक दलों द्वारा युवाओं के उचित प्रतिनिधित्व की नगण्यता एक विडम्बना ही कही जा सकती है।

ऐसा नहीं है कि सारे राजनैतिक दल युवाओं को उपेक्षित ही रख रहे हैं। एकाध अपवाद स्वरूप पार्टी ऐसी भी है जिसे युवाओं पर भरोसा है और उसी भरोसे के बल पर युवाओं को नेतृत्व का अवसर भी प्रदान कर रही है। ऐसी ही एक पार्टी है भाजपा। भाजपा ने अपने हिस्से के टिकट में 25 फीसदी युवाओं को टिकट दिया है। इतना ही नहीं इस पार्टी ने युवा नेतृत्व को उभारने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी है। तभी तो 2014 आम चुनाव से लेकर अभी चल रहे बिहार चुनाव में भी युवाओं भाजपा के प्रचार-प्रसार अभियान में रात-दिन एक कर रखा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी जयराम विप्लव जिन्हें कि भाजपा ने “वोट फॉर बिहार-भाजपा सरकार” की कमान सौंप रखी है , बताते हैं कि भाजपा के प्रति युवाओं का विश्वास बढ़ता जा रहा है। कॉलेज, चौक चौराहे और गाँव के नुक्कड़ तक पर भाजपा के समर्थन में युवा आगे आ रहे हैं।

जयराम विप्लव के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान में युवाओं की कार्यशैली थोड़ी अलग है परन्तु ये पक्का मतदाता वर्ग तैयार कर रहे हैं। युवा समर्थकों के बीच छोटी-छोटी बैठकें करके सैकड़ों युवाओं को भाजपा केम्पेनर बना रहे हैं। ये युवा केम्पेनर पार्टी के लिए मतदाताओं से अपील करेंगे और चुनाव के दिन भी उनका दरवाजा खटखटाएंगे। एजुकेशन हब वाले शहरों को टारगेट करके यह अभियान चलाया जा रहा है। क्योंकि पटना, मुजफ्फरपुर, गया, आरा, बरगुसराय, भागलपुर जैसे जगहों को एजुकेशन हब माना जाता है जहां आसपास की विधानसभा के छात्र पढ़ाई के लिए रहते हैं। ऐसे में इन छात्रों को पार्टी का केम्पेनर बनाना एक बड़ी चुनौती है तो वहीं यदि हर विधानसभा में 2 लोग भी बनते हैं तो पार्टी के लिए यह अतिरिक्त माध्यम होगा प्रचार का।

सबसे महत्वपूर्ण बात इस प्रचार अभियान का यह है कि यह जमीनी स्तर के अलावा सोशल मीडिया पर भी बेहतरीन तरीके से काम कर रहा है। बिहार से बाहर रह रहे लोगों को वोट के महत्त्व के प्रति जागरूक कर उन्हें बिहार आकर वोट करने के लिए प्रेरित करने का काम कर रहा है जो निःसंदेह वोटरजागरूकता अभियान के दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लम्बे समय तक विकास की किरण के प्रति आशान्वित बिहार के युवा बदलावके प्रति बेहद सक्रिय और संवेदनशील हैं। उन्हें विश्वास है कि उनका भविष्य बिहार के विकास से ही तय होगा। इसी आशा को अपना सपना बनाये बिहार के ये युवा परिवर्तन के द्योतक बन रहे हैं और नेतृत्व की एक नई पौधतैयार कर रहे हैं।

---

✘ परिचय :- रजनीश कुमार लेखक व समीक्षक

नवादा, बिहार का रहने वाला हूँ। लिखना सीख रहा हूँ। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक। साहित्य में अभिरुचि और गाँवों के प्रति संवेदनशील क्योंकि भारत तो गाँवों में ही बसता है। यही अपना परिचय है।

संपर्क :- ईमेल :- Kdachit@gmail.com. ... फोन 07352024777

---

Disclaimer : The views expressed by the author in this feature are entirely his own and do not necessarily reflect the views of INVC NEWS .

---

URL : <https://www.internationalnewsandviews.com/bihar-elections-and-importance-of-youth/>



12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

[www.internationalnewsandviews.com](http://www.internationalnewsandviews.com)